



भारत का राजपत्र The Gazette of India

अस.घारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिका से प्रक.शित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 198] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 27, 1974/अ.घण 5, 1896

No. 198] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 27, 1974/SRAVANA 5, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 27th July 1974

G.S.R. 336(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:—

1. (1) These Rules may be called the Central Excise (Seventh Amendment) Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Excise Rules, 1944 (hereinafter referred to as the said Rules) rule 56 shall be renumbered as sub-rule (1) of that rule and after sub-rule (1) as so renumbered, the following sub-rules shall be inserted, namely:—

“(2) The Officer referred to in sub-rule (1) shall conduct the test from the samples taken under that sub-rule and communicate to the manufacturer the result of such test.

(3)(a) Where the Officer is of the opinion that the samples after completion of the test can be restored to the manufacturer, the officer shall send a notice in writing to the manufacturer requesting him to collect the samples within such period as may be specified in the notice.

- (b) If the manufacturer fails to take delivery of the samples within the period specified in the notice referred to in clause (a), the samples shall be disposed of in such manner as the Collector of Central Excise may direct.
- (4) Where a manufacturer is aggrieved by the result of the test, he may, within ninety days of the date on which the result of the test is received by him, request the Assistant Collector of Central Excise that the sample be retested."

3. In rule 173G of the said Rules, in clause (iv) of the proviso to sub-rule (2), after the words "any supplementary budget of the Central Government to Parliament", the following words shall be inserted, namely:—

"or for the introduction in the House of the People of any Finance Bill or any Bill for the imposition or increase of any duty".

4. In rule 224 of the said Rules,—

- (a) in sub-rule (2), after the words "or any Supplementary budget of the Central Government to Parliament", the following words shall be inserted, namely:—

"or for the introduction in the House of the People of any Finance Bill or any Bill for the imposition or increase of any duty";

- (b) in sub-rule (2A), after the words "or any supplementary budget of the Central Government to Parliament", the following words shall be inserted, namely:—

"or for the introduction in the House of the People of any Finance Bill or any Bill for the imposition or increase of any duty".

[No. 120/74-C.E.]

S. D. MOHILE, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

अधिसूचना

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1974

सा० का० नि० 336 (अ).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (सातवां संशोधन) नियम, 1974 है।

(2) ये नियम राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होंगे।

2. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 में, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) नियम 56 को उस नियम के उपनियम (1) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित उपनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

"(2) उप नियम (1) में निर्दिष्ट अधिकारी उस उपनियम के अधीन लिए गए नमूनों का परीक्षण करेगा और ऐसे परीक्षण का परिणाम विनिर्माता को संसूचित करेगा।

- (3) (क) जहां अधिकारी की यह राय है कि परीक्षण के पश्चात् नमूने विनिर्माता को लौटाए जा सकते हैं वहां अधिकारी विनिर्माता को यह अनुरोध करने हुए एक लिखित सूचना भेजेगा कि वह सूचना में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर नमूने एकत्र कर ले।
- (ख) यदि विनिर्माता खण्ड (क) में निर्दिष्ट सूचना में विनिर्दिष्ट कालावधि के भीतर नमूनों का परिदान लेने में असफल रहता है तो नमूने ऐसी रीति से व्ययन किए जाएंगे जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क का क्लर्क निर्दिष्ट करे।
- (4) जहां विनिर्माता परीक्षण के परिणाम से व्यथित है वहां वह उसके परीक्षण के परिणाम की प्राप्ति की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के सहायक क्लर्क से यह अनुरोध कर सकता है कि नमूनों का पुनः परीक्षण किया जाए।”

3. उक्त नियमों के नियम 173छ के उपनियम (2) के परन्तुक के खण्ड (iv) में “केन्द्रीय सरकार के वार्षिक या अनुपूरक बजट के प्रस्तुत करने के लिए” शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“या लोक सभा में किसी वित्त विधेयक या किसी शुल्क के अधिरोपण या वृद्धि के लिए विधेयक के पुरःस्थापन के लिए”।

4. उक्त नियमों के नियम 224 में,—

(क) उपनियम (2) में “केन्द्रीय सरकार के वार्षिक या अनुपूरक बजट के प्रस्तुत करने के लिए” शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे :—

“या लोक सभा में किसी वित्त विधेयक या किसी शुल्क के अधिरोपण या वृद्धि के लिए विधेयक के पुरःस्थापन के लिए”;

(ख) उपनियम (2क) में “केन्द्रीय सरकार के वार्षिक या अनुपूरक बजट के प्रस्तुत करने के लिए” शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे :—

“या लोक सभा में किसी वित्त विधेयक या किसी शुल्क के अधिरोपण या वृद्धि के लिए विधेयक के पुरःस्थापन के लिए”।

[सं० 120/74-के०उ०शु०]

सतीश चन्द्र द० मोहिले, अवसर सचिव।

